(2) पद्धति के विफल हो जाने को रोकने के लिए बारम्बारता रिले को पूर्व में ही स्थापित कर लिया गया है।

(3) प्राथमिकता फीडरों को इन क्षेत्रों में बेहतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विनिर्दिष्ट किया गया है।

(4) अधिकांश पम्पों को, जब भार ज्यादा न हो, उस अवधि के दौरान चलाया जा रहा है।

(5) कोलफील्ड्स क्षेत्रों में ग्रहीत विद्युत संयंत्र भी स्थापित किए जा रहे हैं।

कोयला उद्योग का विकास

1785. **श्री राम जेठमलानी :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कोयला उद्योग के विकास पर्याप्त संभावनाएं हैं ;

(ख) क्या सरकार ने इस प्रयोजनार्थ कोई कार्य योजना तैयार की है ;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी विस्तृत रूपरेखा क्या है और इस क्षेत्र के विकास हेतु क्या-क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं; और

(घ) यदि ऐसी कोई कार्य योजना तैयार नहीं की गई है, तो उसके क्या कारण हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजीत कुमार पांजा) : (क) जी, हां।

(ख) से (घ) : कोयला उद्योगों के विकास के लिए योजना आयोग के परामर्श से सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना निष्पादित की है। आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिए निर्धारित किए गए विभिन्न लक्ष्य नीचे दिए गए हैं :—

(i) **मांग** : आठवीं पंचवर्षीय योजना (1996-97) के अंतिम वर्ष तक कोयले की मांग कच्चे कोयले के रूप में 311·00 मि० टन प्रक्षिप्त की गई है।

(ii) **उत्पादन** : आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंतिम वर्ष (1996-97) के दौरान कोयले का उत्पादन लक्ष्य उपर्युक्त मांग की तुलना में 308.00 मि०टन निर्धारित किया गया है। इस संबंध में किसी भी तरह के अन्तराल को पिटहैड स्टाक से कोयले की निकासी करके पूरा किए जाने का प्रस्ताव है।

(iii) **उत्पादकता** : कोल इंडिया लि० के मामले में आठवी पंचवर्षीय योजना के अंत तक समग्र रूप में प्रतिव्यक्ति प्रतिपाली उत्पादन (ओ०एम०एस०) का 1.65 टन लक्ष्य रखा गया है।

धनबाद में गैर-कानूनी खनन कार्य

1786. **श्री गया सिंह** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) धनबाद के कितने स्थानों पर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (कोल इंडिया लिमिटेड) के कोयला क्षेत्रों में कोयले का गैर कानूनी खनन कार्य और उसकी बिक्री की जा रही है ;

(ख) इस संबंध में भारत कोकिंग कोल लि० को कुल कितना घाटा हुआ है; और

(ग) वर्ष 1992-93 के दौरान कोल इंडिया लि० की विभिन्न इकाईयों के संबंध में उत्पादन, बिक्री, आय-व्यय इत्यादि का ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) कोल इंडिया लि० से प्राप्त सूचना के अनुसार

भारत कोकिंग कोल लि० के निम्नलिखित 17 स्थलों से, जिसमें दामोदर नदी तटीय कोयले के एक्सपोजर, बन्द कोपन-कास्ट और भूमिगत खानें शामिल हैं कोयले के अवैध खनन की सूचना मिली है:

1. लोडना
2. के० कुसुन्दा
3. बस्ताकोला
4. जी०ओ०सी०पी० परियोजना
5. गोलकडीह ओ०का० परियोजना
6. मुरलीडीह कोलियरी
7. सुदामडीह कोलियरी (शैफट)
8. भाटडीह
9. सुदामडीह
10. धनसर के०ओ०सी०पी०
11. बसुरिया
12. गोनूडीह
13. ईस्ट बसुरिया
14. गोधूर
15. कुसुन्डा
16. दामोदा
17. मुरईडीह

(ख) अवैध खनन के कारण कोयला कंपनियों को हुए नुकसान की संगणना करना संभव नहीं है। प्रत्यक्ष घाटे होने के अलावा, अप्रत्यक्ष घाटा भी पट्टेधारी क्षेत्रों पर निगरानी रखने और अन्य उठाए गए बचावात्मक कदमों, अवैध खनन स्थल को छोड़ने इत्यादि पर किए गए व्यय के कारण होता है।

(ग) कोल इंडिया लि० ने वर्ष 1992-93 के दौरान 211.22 मिलियन टन (अनन्तिम) का उत्पादन किया। बिक्री, आय और व्यय इत्यादि संबंधी अन्य विवरणों की जानकारी कोल इंडिया लि० के वर्ष 1992-93 के लिए लेखों को अंतिम रूप दिए जाने और उनकी और लेखापरीक्षा होने के बाद ही चल सकेगा।

कोल इंडिया लि० द्वारा आयातित मशीनों के लिए अतिरिक्त पुर्जों की अनुपलब्धता

1787. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन**: क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि कोल इंडिया लि० द्वारा 1200 करोड़ रुपए की मशीनों सोवियत संघ से आयात की गई थी;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इन बड़ी मशीनों के अतिरिक्त पुर्जे अभी तक उपलब्ध नहीं कराए गए हैं और इसलिए इन मशीनों का उपयोग नहीं हो रहा है; और

(ग) इस प्रकार की कितनी-कितनी मशीनों किस-किस क्षेत्र में चल रही हैं और मार्च, 1993 तक कितनी मशीनों को उपयोग में नहीं लाया गया है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) अनुमानतः आयातित रूसी उपकरणों की कुल संख्या की वर्तमान लागत लगभग 1200 करोड़ रु० की राशि की होगी।

(ख) भूतपूर्व सोवियत संघ से आयातित किए गए सभी उपकरणों के लिए कलपुर्जों की अभिप्राप्ति करने के मामले में पूर्व में कोई समस्या नहीं थी। किन्तु, भूतपूर्व सोवियत संघ में वर्ष 1992 में राजनैतिक परिवर्तन आ जाने से समस्या उत्पन्न हो गई और तब से सोवियत संघ से शायद ही कोई कलपुर्जा प्राप्त किया गया हो। सोवियत संघ से कलपुर्जे अनुपलब्ध होने से केवल 12.5 क्यू० मि० के 2 तथा 110 टन बेलाज के 7 डम्पर नार्दर्न कोलफील्ड लि० क्षेत्र सिंगरौली में वर्तमान में कार्यरत नहीं है।

(ग) इस संबंध में सूचना संलग्न विवरण में दी गई है।